

तारीख
हुक्म

हुक्म या कायवाहा मय इनाम...

अहव
की त

२७ $\frac{6}{२२}$

पसावली मेथ हरी/ वकील जारि को आवाफ
लगाई गई/ बार-बार आवाफ लगाने के कारण
भी वकील जारि न्यायालय में हाजिर नहीं हो
कर आकर २२ रूम को आकर हाजिरी कर
पैवकी में न्यायिक रिफा जागरी पसावली
फैसल सुनार होकर सबर से कर
होकर दायिमल पहादी

उपखण्ड अधिकारी, दांतारामगढ